RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE 28 OCTOBER TO 03 NOVEMBER 2020 प्रति बुधवार वर्ष 06 अंक 10 पृष्ठ 8 कीमत 5 रु.

Inside News

जेके टायर का ग्रामीण बाजार कनेक्ट के लिए आईटीसी के चौपाल सागर्स से गठबंधन Page 2

फेस्टिव सीजन में इन फूड आइटम्स से बनाएं अपने बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत Page 4

के2 (KAY2) टीएमटी ने अपने ब्रांड की पहचान में किया इज़ाफा Page 7

editoria!

BECA समझौता: अमेरिका से दोस्ती

आखिरकार भारत और अमेरिका के बीच उस बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट (बेका) पर समझौता हो गया जिस पर बरसों से काम चल रहा था। यह दोनों देशों के बीच सामरिक सहयोग बढ़ाने की समझ के तहत किया जाने वाला चौथा समझौता है। इससे पहले दोनों देश 2002 में जनरल सिक्यॉरिटी ऑफ मिलिट्री इनफॉर्मेशन एग्रीमेंट, 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरैंडम ऑफ एग्रीमेंट और 2018 में कॉम्पैटिबिलिटी एंड सिक्यॉरिटी एग्रीमेंट पर दस्तखत कर चुके हैं। माना जा रहा है कि बेका समझौता दोनों देशों के बीच रक्षा और भू-राजनीति के क्षेत्र में सहयोग और तालमेल को पूर्णता प्रदान करने वाला है। हालांकि अमेरिका जैसी सुपरपावर के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने की बात जब भी उठती है तब उसके साथ कई तरह की आशंकाएं भी जुड़ी होती हैं। इसी बेका समझौते को लेकर जब बातचीत शुरू हुई तो तत्कालीन यूपीए सरकार ने कई तरह की चिंताएं जाहिर की थीं। समझौते के इस बिंदु तक पहुंचने में अगर इतना वक्त लगा तो उसका कारण यह था कि लंबी बातचीत के जरिए दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की आशंकाओं को दूर करने के रास्ते खोजे और फिर सहमति को पक्का किया।

बहरहाल, इस समझौते के बाद अब भारत को अमेरिकी सैन्य उपग्रहों द्वारा जुटाई जानी वाली संवेदनशील सूचनाएं और चित्र रियल टाइम बेसिस पर उपलब्ध हो सकेंगे। अमेरिका वैसे महत्वपूर्ण आंकड़े, मैप आदि भी भारत के साथ शेयर कर सकेगा जिनके आधार पर अपने सामरिक लक्ष्य पूरी सटीकता से हासिल करना भारत के लिए आसान हो जाएगा। खासकर दो पड़ोसी राष्ट्रों के साथ मौजूदा तनावपूर्ण रिश्तों के संदर्भ में देखें तो यह समझौता विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन ऐसे समझौते तात्कालिक संदर्भों तक सीमित नहीं होते। न ही ये एकतरफा तौर पर फायदेमंद होते हैं। ध्यान रहे, यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव अपने अंतिम दौर में है। दो देशों के बीच कोई समझौता यूं भी किसी खास सरकार का मामला नहीं होता, लेकिन अमेरिकी आम चुनाव की मतदान तिथि से ऐन पहले हुआ यह समझौता इस बात को भी रेखांकित करता है कि दोनों देशों के संबंध अब खास नेताओं के बीच की पर्सनल केमिस्ट्री पर निर्भर नहीं रह गए हैं। यह दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग और बेहतर होते तालमेल का ठोस संकेत है। किसी भी अन्य रिश्ते की तरह यह नजदीकी भी दोनों देशों को लाभ पहुंचा रही है। सिर्फ रक्षा क्षेत्र की बात करें तो भारत-अमेरिका सहयोग बढ़ना शुरू होने के बाद से, यानी 2007 से अब तक अमेरिकी कंपनियां भारत को 21 अरब डॉलर से ज्यादा के हथियार बेच चुकी हैं। बदली परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ता तालमेल न केवल भारत और अमेरिका के राष्ट्रीय हितों की दृष्टि से बल्कि विश्व शांति और क्षेत्रीय संतुलन के लिए भी उपयोगी है।

कच्चे तेल के वायदा में जोरदार गिरावट

4 फीसदी गिरकर 2,811 रुपये पर पहुंचे भाव

एजेंसी

नई दिल्ली। 28 अक्टूबर को कच्चे तेल का वायदा चार फीसदी गिरकर 2,811 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। कच्चे के तेल के दामों में गिरावट कारोबारियों द्वारा की जा रही बिकवाली की वजह से देखी गई है। इसके अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म ज़ेटा की वजह से यूएस में कच्चे तेल के भंडार में बढ़ोतरी देखी जा रही है। ट्रापिकल स्टार्म जेटा की वजह से यूएस में क्रूड ऑयल की इन्वेंट्रीज में भारी बढ़ोतरी की गई है, जिसका असर एमसीएक्स क्रूड पर देखा गया है.

अमेरिकी पेट्रोलियम इंसेंटेज (एपीआई) ने बताया कि 23 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के लिए 1.1 मिलियन बैरल गिरावट की उम्मीद के साथ अमेरिकी कच्चे माल का विस्तार 4.58 मिलियन बैरल हुआ।

मेक्सिको की खाड़ी के 49.45 फीसदी के बारे में अमेरिकी सुरक्षा और पर्यावरण प्रवर्तन ब्यूरो के अनुसार, 26 अक्टूबर को 15.87 प्रतिशत के मुकाबले क्रॉप उत्पादन 27 अक्टूबर को ट्रापिकल स्टार्म ज़ेटा के कारण बंद कर दिया गया था। कल जारी अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों को टिकाऊ वस्तुओं के ऑर्डर के रूप में मिलाया गया और रिचमंड फेड इंडेक्स डेटा उम्मीदों से बेहतर था, जबकि कंज्यूमर कान्फिडेंस ने काफी निराश किया।

वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड (ड्लूटीआई) 4.09 प्रतिशत नीचे 37.95 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा था, जबकि ब्रेंट क्रूड, लंदन स्थित अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क 3.32 फीसदी की गिरावट के साथ 40.23 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। MCX iCOMDEX क्रूड ऑयल इंडेक्स 142.53 अंक या 4.19 फीसदी घटकर 3,257.31 पर 16:17 पर रहा।

'NYMEX क्रूड ऑयल के बारे में 3.8 फीसदी की गिरावट के साथ 38 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ट्रेड के बाद API ने यूएस क्रूड ऑयल स्टॉक में 4.577 मिलियन बैरल की वृद्धि और गैसोलीन स्टॉक में अप्रत्याशित वृद्धि की गई।

जोखिम के कारण इक्विटी बाजारों में कमजोरी ने कच्चे तेल जैसे आर्थिक रूप से संवेदनशील वस्तुओं पर भी दबाव डाला है। हालांकि ट्रापिकल स्टार्म ज़ेटा की कीमतों का समर्थन करने के कारण मैक्सिको की खाड़ी में आपूर्ति में व्यवधान हो सकता है, लेकिन अमेरिकी कच्चे तेल के शेयरों में बिल्डअप की उम्मीद के साथ आज के अमेरिकी ईआईए साप्ताहिक इन्वेंट्री रिपोर्ट पर ध्यान केंद्रित करना जारी है। वायदा बाजार में नवंबर डिलीवरी के लिए कच्चा तेल 2,887 रुपये के उच्च स्तर और एमसीएक्स पर 2,807 रुपये प्रति बैरल के निचले स्तर को छू गया। मौजूदा श्रृंखला में अब तक काला सोना 2,798 रुपये का निचला स्तर और 3,127 रुपये का उच्च स्तर छू चुका है। नवंबर में कच्चे तेल की डिलीवरी 4,142 लॉट के कारोबार के साथ 16:19 बजे IST पर 123 रुपये या 4.19 प्रतिशत गिरकर 2,811 रुपये प्रति बैरल रह गई।

जम्मू के उद्योगपतियों ने नए भूमि कानूनों का स्वागत किया, औद्योगिक वृद्धि की उम्मीद जताई

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक वृद्धि की उम्मीद जगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देते हुए जम्मू स्थित उद्योगपतियों के शीर्ष संगठन ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर में नए भूमि कानूनों का स्वागत किया और कहा कि इनसे केंद्र शासित राज्य में औद्योगिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। जम्मू के बारी ब्राह्मण उद्योग संघ (बीबीआईए) ने बाहरी लोगों द्वारा जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि कानूनों में संशोधन का स्वागत किया।

बीबीआईए के अध्यक्ष ललित महाजन ने कहा, ''संघ के सदस्यों ने बाहर से आने वाले संभावित उद्यमियों द्वारा जम्मू-कश्मीर में औद्योगीकरण की उम्मीद जगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को धन्यवाद दिया है।'' महाजन ने बीबीआईए की बैठक में कहा कि नए भूमि कानूनों से औद्योगिक क्षेत्र, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, पर्यटन उद्योग, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों में निजी क्षेत्र के लिए बड़े पैमाने पर निवेश के दरवाजे खुलेंगे और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि वक्त की मांग है कि मौजूदा इकाइयों को वित्तीय सहायता दी जाए।

महाजन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में दूसरे राज्यों से कच्चा माल लाने और तैयार माल दूसरे राज्यों में भेजने के लिए परिवहन भाड़ापूर्ति देने की मांग भी की। इसके अलावा उन्होंने नई इकाइयों और क्षमता विस्तार करने वाली इकाइयों के लिए जीएसटी भुगतान में राहत दिए जाने, सभी इकाइयों की राज्य के भीतर बिक्री पर दो प्रतिशत की बजटीय सहायता और सूक्ष्म तथा लघु उद्योगों के लिए प्रोत्साहन देने की मांग भी की।

वित्तमंत्री ने माना इस साल निगेटिव या जीरो के करीब रहेगी जीडीपी ग्रोथ की दर

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अर्थव्यवस्था में अब सुधार के संकेत दिखने लगे हैं। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में गिरावट होगी या फिर शून्य के करीब रहेगी। उन्होंने कहा कि 2020-21 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में 23.9 प्रतिशत की जबर्दस्त गिरावट आई है, जिससे पूरे वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी की वृद्धि दर नकारात्मक या शून्य के करीब रहेगी।

जेके टायर का ग्रामीण बाजार कनेक्ट के लिए आईटीसी के चौपाल सागर्स से गठबंधन

आईपीटी न्यूज

इंदौर। ट्रक बस रेडियल सेगमेंट में भारतीय टायर उद्योग के प्रमुख और मार्केट लीडर, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने ग्रामीण समुदायों के साथ जुड़ने के लिए आईटीसी के ई-चौपाल के साथ ब्रांड के सहयोग की घोषणा की। भारत में टायर निर्माता द्वारा किए गए अपने पहले व्यापक प्रयास में, जेके टायर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में चौपाल सागर्स के आईटीसी के नेटवर्क का लाभ उठाएगा।

यह साझेदारी जमीनी स्तर पर 360 डिग्री जुड़ाव के माध्यम से ग्रामीण बाजारों में उपस्थिति बढ़ाने के उद्देश्य से है। जेके टायर चरणबद्ध रूप से चौपाल सागर्स-आईटीसी के एकीकृत ग्रामीण सेवा केंद्रों में चरणबद्ध तरीके से तीनों राज्यों में काम करेगा। आईटीसी के चौपाल सागर में ग्रामीण ग्राहकों के साथ जेके टायर की उत्पाद श्रृंखला के लिए ब्रांड दृश्यता और जुड़ाव की सुविधा होगी। जेके टायर आईटीसी की ई-चौपाल के साथ अन्य सहयोगी पहल भी करेगा जिसमें लक्ष्य समूह चर्चा और इन्फ्लुएंसर / ग्राहक सेवा, आदि शामिल हैं।

श्री श्रीनिवासु अल्लापन, डायरेक्टर सेल्स एवं मार्केटिंग, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा, 'ग्रामीण क्षेत्र ने इस चुनौतीपूर्ण चरण में बहुत लचीलापन दिखाया है। आईटीसी के ई-चौपाल के साथ हमारा जुड़ाव आगे चलकर उन ग्राहकों के साथ संपर्क बनाने और

उनसे जुड़ने में मदद करेगा जो बदले में हमें बेहतर तरीके से समझने और उनकी सेवा करने में मदद करेंगे। आगे बढ़ते हुए, हम कई नई पहलों के साथ अपने ग्रामीण जुड़ाव को और मजबूत करने जा रहे हैं।' एग्री बिजनेस डिवीजन, आईटीसी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी, श्री रजनीकांत राय ने कहा, 'हम जेके टायर के साथ साझेदारी करने के लिए वास्तव में खुश हैं, ग्रामीण उपभोक्ताओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ई-चौपाल इको-सिस्टम का लाभ उठा रहे हैं। यह पहल समग्र जुड़ाव को मजबूत करती है कि आईटीसी ई-चौपाल पहल किसानों और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से अन्य संस्थानों के साथ साझेदारी करती है।

सरकार ने तुअर आयात के लाइसेंस की वैधता 31 दिसंबर तक बढ़ाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने तुअर दाल के आयात के लाइसेंस की वैधता को इस साल 31 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला किया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने सार्वजनिक सूचना में कहा कि आयात के लिए अपरिवर्तनीय वाणिज्यिक साख पत्र (आईसीएलसी) की कट-ऑफ तिथि अब एक दिसंबर, 2020 होगी। इसमें कहा गया है कि पात्र और सत्यापित आवेदक जिन्हें लाइसेंस जारी किया गया है, उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि तुअर की आयात खेप 31 दिसंबर से पहले भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच जाए। डीजीएफटी ने कहा, ''तुअर के आयात के लिए लाइसेंस की वैधता को 15 नवंबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2020 करने का फैसला किया गया है।''

एससीओ देशों को आर्थिक मजबूती का उपयोग क्षेत्र में व्यापार, निवेश बढ़ाने में करने की जरूरतः गोयल

आईपीटी नेटवर्क

नयी दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 संकट ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के लिये अपनी आर्थिक शक्ति का उपयोग क्षेत्र में व्यापार और निवेश बढ़ाने में करने की जरूरत को रेखांकित किया है। एससीओ के सदस्य देशों के व्यापार और आर्थिक मामलों के मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि देशों के बीच निरंतर सहयोग से महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से पुनरूद्धार सुनिश्चित होगा। गोयल ने कहा, ''कोविड-19 संकट ने शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के लिये अपने आर्थिक शक्ति का उपयोग करने तथा भागीदारी की संभावना टटोलने की जरूरत को रेखांकित किया है ताकि क्षेत्र में व्यापार और निवेश को बढ़ावा दिया जा सके।'' बैठक में चार दस्तावेज स्वीकार किये गये। इसमें कोविड-19 को लेकर उठाये जाने वाले कदमों पर बयान, एससीओ सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली पर बयान जो विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य हैं तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सहयोग को लेकर बयान शामिल हैं। एससीओ के सदस्य देश... चीन, भारत, कजाकस्तान, किर्गिजस्तान, रूस, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान हैं।

NSDL की गलती से पहले एयरटेल के शेयर में लगा अपर सर्किट, फिर लुढ़का!

एजेंसी

मुंबई। नेशनल सेक्युरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) की गलती से बुधवार को भारती एयरटेल के शेयरों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। दरअसल NSDL ने एयरटेल से जुड़ा एक फैसला दो घंटे में ही वापस ले लिया, जिससे एयरटेल के शेयर में ऊपरी स्तरों से दबाव देखने को मिला।

दरअसल, फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इंवेस्टमेंट (FII) लिमिट 100 फीसदी होने का नोटिस लगाने के बाद ऱ्एउ्थ ने इसे 2 घंटे में ही वापस ले लिया। जिसके बाद शेयर ऊपरी स्तर से 9 फीसदी से ज्यादा फिसल गया। आखिर में शेयर NSE पर 3.32 फीसदी चढ़कर 447.75 रुपये पर बंद हुआ।

जब NSDL ने एयरटेल में FII लिमिट 100 फीसदी होने की खबर दी तो शेयर में जबर्दस्त तेजी देखी जा रही थी। शेयर में 13 फीसदी से ज्यादा का उछाल देखने को मिला। एक समय एयरटेल के शेयर ने 485 रुपये के स्तर को भी छुआ। लेकिन NSDL द्वारा नोटिस वापस लेने से शेयर में गिरावट आई।

इससे पहले दिग्गज टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने दूसरी तिमाही के नतीजे उम्मीद से काफी बेहतर रहे हैं। वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में कंपनी को कंसॉलिडेटेड नेट लॉस 763 करोड़ रुपये का रहा। एक साल पहले समान अवधि में कंपनी का नेट लॉस 23,405 करोड़ रुपये रहा था। जबकि पहली तिमाही में कंपनी को 15,930 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

दूसरी तिमाही में कंपनी की आय में सुधार हुआ है। सितंबर-2020 तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 22 फीसदी बढ़कर 25,785 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। एक साल पहले समान अवधि में कंपनी की आय 21,131 करोड़ रुपये थी। जबकि इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी को 23,940 करोड़ रुपये की आय हुई थी।

दूसरी तिमाही में कंपनी को 49.3 करोड़ रुपये का एकमुश्त घाटा हुआ है।

दूसरी तिमाही में एयरटेल का कंसॉलिडेटेड एबिटा 11,848 करोड़ रुपये रहा । दूसरी तिमाही में भारती एयरटेल एबिटा मार्जिन 46 फीसदी पर रहा है। तिमाही दर तिमाही आधार पर दूसरी तिमाही में कंपनी की अन्य आय 480.5 करोड़ रुपये से घटकर 148.9 करोड़ रुपये रही है।

दूसरी तिमाही में एयरटेल की प्रति उपयोगकर्ता औसत कमाई (ARPU) 162 रुपये पर रही है, जबकि एक साल पहले ये 128 रुपये पर थी। पिछले कुछ दिनों से एयरटेल के शेयर दबाव में दिख रहे हैं।

पर्यटन सेक्टर के अच्छे दिन अभी दूर 2021 में भी दिखेगा कोविड इफेक्ट

एजेंसी

मुंबई। कोविड-19 के बाद जैसे-जैसे लोगों का जीवन सामान्य हो रहा है, पर्यटकों ने 2021 के लिए यात्रा योजनाएं बनानी शुरू कर दी है। होमस्टे की सुविधा देने वाली वैश्विक कंपनी 'एयरबीएनबी' ने इस संबंध में बाजार के रुख को दर्शाने वाली एक रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट के मुताबिक बाजार में इसे लेकर कई तरह के नए रुख देखे जा रहे हैं। इनमें लोगों का अपनी और अन्य लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना है। छोटी से लेकर महीने भर लंबी यात्रा योजनाएं भी अपने गृहनगर या घर के आसपास के क्षेत्रों के लिए बनाना इत्यादि शामिल है।

एयरबीएनबी ने यह रिपोर्ट जनवरी-सितंबर के बीच उसके मंच पर 2021 की यात्रा के लिए किए जाने वाले सर्च के आधार पर तैयार की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यात्रियों के लिए पारदर्शिता, विश्वास और सुरक्षा अब पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है और अब यह यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण मानक बना रहेगा। इसके अलावा घर से काम करने की सुविधा के चलते पर्यटकों का शहरों के निकट के स्थानों की यात्रा करने का भी रुख देखा जा रहा है।

एयरबीएनबी के महाप्रबंधक (भारत, दक्षिण पूर्व एशिया, हांगकांग और ताइवान) अमनप्रीत बजाज ने कहा, ' जाने-पहचाने पर्यटन स्थलों की जगह स्थानीय क्षेत्रों में यात्रा करने का रुख दिखाता है कि इससे स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से ज्यादा लाभ होगा। हम भविष्य में पर्यटन क्षेत्र के ज्यादा समावेशी, टिकाऊ होने के रुख को देख रहे हैं।' रिपोर्ट के मुताबिक 2021 के लिए सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले क्षेत्रों में महाराष्ट्र के करजत और पंचगनी, हिमाचल में मनाली, कर्नाटक में मेंगलुरू और उत्तराखंड में मुक्तेश्वर शामिल हैं।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे गिरकर 73.87 पर बंद

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकलावी और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती के चलते रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 16 पैसे टूटकर 73.87 के स्तर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया सकारात्मक रुख के साथ 73.70 के स्तर पर खुला, लेकिन जल्द ही उसके अपनी बढ़त खो दी और कारोबार के अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.87 के स्तर पर बंद हुआ, जो उसके पिछले बंद भाव के मुकाबले 16 पैसे की गिरावट को दर्शाता है। उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्र के दौरान घरेलू मुद्रा ने अमेरिकी डॉलर

के मुकाबले 73.64 के ऊपरी स्तर और 73.93 के निचले स्तर को देखा। एमवेक ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (मुद्रा) राहुल गुप्ता ने कहा कि अमेरिकी में कोई नया राजकोषीय प्रोत्साहन नहीं घोषित होने और कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों के कारण बाजार की धारणा कमजोर हुई, साथ ही निवेशक अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से पहले सतर्क रुख अपना रहे हैं। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.41 प्रतिशत बढ़कर 93.31 के स्तर पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को सकल आधार पर 3,514.89 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 3.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39.30 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

अगले महीने से बैंक में पैसा जमा और निकालने पर भी देना होगा चार्ज, ढीली होगी जेब

एजेंसी

नई दिल्ली। मौजूदा समय में कई ऐसी बैंकिंग सुविधाएं हैं, जिनका इस्तेमाल तकरीबन हर ग्राहक करता है और इसके लिए ग्राहकों से पैसे वसूले जाते हैं। लेकिन इसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। एसएमएस सुविधा, मिनिमम बैलेंस, एटीएम व चेक के इस्तेमाल तक, पर बैंक आपसे पैसे वसूलता हैं। लेकिन अब से ग्राहकों को बैंकों में अपना पैसा जमा करने और निकासी के लिए भी फीस देनी पड़ेगी।

- बैंक ऑफ बड़ौदा ने की शुरुआत

बैंक ऑफ बड़ौदा ने इसकी शुरुआत भी कर दी है। बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी, एक्सिस और सेंट्रल बैंक इस पर जल्द ही फैसला लेंगे। अगले महीने से यानी नवंबर 2020 से तय सीमा से ज्यादा बैंकिंग करने पर ग्राहकों को अलग से शुल्क देना होगा। मालूम हो कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने चालू खाते, कैश क्रेडिट लिमिट और ओवरड्राफ्ट खाते से पैसे जमा और निकालने के अलग व बचत खाते से जमा-निकासी के अलग-अलग शुल्क निर्धारित किए हैं। अगले माह से ग्राहक लोन खाते के लिए महीने में तीन बार के बाद जितनी बार भी पैसा निकालेंगे, उन्हें 150 रुपये देने होंगे।

बचत खाते की बात करें, तो ऐसे खाताधारकों के लिए तीन बार तक जमा करना फ्री होगा, लेकिन अगर ग्राहकों ने चौथी बार पैसे जमा किए, तो उन्हें 40 रुपये देने होंगे। इतना ही नहीं, वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी बैंकों ने कोई राहत नहीं दी है। जनधन खाताधारकों को इसमें थोड़ी राहत मिली है। उन्हें जमा करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा, लेकिन निकालने पर 100 रुपये देना होंगे।

आइए जानते हैं सीसी, चालू, ओवरड्राफ्ट और बचत खाताधारकों के लिए नवंबर से जमा और निकासी पर कितना शुल्क वसूला जाएगा।

सीसी, चालू व ओवरड्राफ्ट खातों के लिए इतना होगा शुल्क

सीसी, चालू व ओवरड्राफ्ट खाताधारक अगर प्रतिदिन एक लाख रुपये तक जमा करते हैं, तो यह सुविधा निशुल्क होगी। लेकिन इससे ज्यादा पैसे जमा करने पर बैंक आपसे पैसे वसूलेंगे।

ऐसे खाताधारकों के एक लाख से ज्यादा जमा करने पर एक हजार रुपये पर एक रुपये चार्ज देना होगा। इसके लिए न्यूनतम व अधिकतम सीमा क्रमशः 50 रुपये और 20 हजार रुपये है।

अगर सीसी, चालू व ओवरड्राफ्ट खातों से एक महीने में तीन बार पैसे निकाले जाते हैं, तो ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं वसूला जाएगा।

चौथी बार निकासी पर प्रत्येक विड्रॉल पर 150 रुपये का शुल्क लगेगा।

बचत खाताधारकों के लिए इतना होगा शुल्क

बचत खाताधारकों के लिए तीन बार तक जमा निशुल्क रहेगा।

हालांकि चौथी बार से खाताधारकों को प्रत्येक बार पैसे जमा करने पर 40 रुपये देने होंगे।

निकासी की बात करें, तो प्रत्येक माह में तीन बार खाते से पैसा निकालने पर ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

लेकिन चौथी बार से ग्राहकों को हर बार 100 रुपये का भुगतान करना अनिवार्य होगा।

फोलियो चार्ज भी वसूलते हैं बैंक

फोलियो चार्ज के नाम पर बैंकों को मोटी कमाई होती है। लेजर फोलियो के लिए बैंक 200 रुपये प्रति पेज वसूलते हैं। लेजर फोलियो किसी भी तरह के लोन पर सीसी या ओडी पर वसूला जाता है।

कारोबार सुगमता के लिए सरकार ने किया पेटेंट नियमों को सुसंगत

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने कारोबार सुगमता की स्थिति को बेहतर करने के लिए पेटेंट नियमों को सुसंगत किया है। सरकार ने बुधवार को कहा कि भारत में पेंटेट प्राप्त खोज के वाणिज्यिक स्तर पर कार्य करने से संबंधित जानकारी सौंपने की जरूरतों को सुगम किया गया है। नियमों में बदलाव से अब आवेदक को कई पेटेंट के लिए एक ही फॉर्म भरने की जरूरत होगी। वहीं पेटेंट के कई आवेदकों के लिए एक संयुक्त फॉर्म भी पेश किया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पेटेंट (संशोधन) नियम, 2020 इस साल 19 अक्टूबर से प्रभाव में आए हैं। इनके तहत फॉर्म 27 की जरूरत से संबंधित प्रक्रिया को सुगम किया गया है। साथ ही प्रमुख दस्तावेजों के अंग्रेजी अनुवाद को जमा कराने से संबंधित प्रक्रिया को भी सुगम किया गया है। फॉर्म 27 पेटेंट वाली खोज के भारत में वाणिज्यिक स्तर पर काम करने के तरीके से संबंधित है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट किया कि इन उपायों से नवोन्मेषण को प्रोत्साहन मिलेगा, कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर हो सकेगी, लचीलापन बढ़ेगा और अनुपालन बोझ कम होगा।

अफगानिस्तान से प्याज के आयात में 'अड़ंगे' डाल रहा पाकिस्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में प्याज की कीमतें आसमान छू रही हैं। देश में प्याज की कमी को पूरा करने के लिए सरकार अफगानिस्तान से इसका आयात कर रही है लेकिन पाकिस्तान इसमें अड़ंगे डाल रहा है। अफगानिस्तान के कारोबारियों का आरोप है कि पाकिस्तान की कारस्तानी के कारण भारत के लिए निर्यात किए जाने वाला प्याज वाघा बॉर्डर पर सड़ रहा है। जून में पाकिस्तान ने वाघा सीमा से अफगानिस्तान के निर्यात की अनुमति दी थी। कोविड के कारण मार्च में अफगानिस्तान से भारत को वाघा सीमा के जरिए निर्यात में बाधा आई थी। पाकिस्तान का दावा है कि वह अफगानिस्तान के साथ सभी तरह के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कृतसंकल्प है। लेकिन अफगानिस्तान चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इनवेस्टमेंट को काबुल में कारोबारियों से शिकायत मिली है। उनका कहना है कि भारत जाने वाला 70 फीसदी प्याज वाघा सीमा पर सड़ रहा है। सूत्रों का कहना है कि केवल 30 फीसदी ट्रकों को ही रोजाना प्रोसेस किया जा रहा है। एक सूत्र ने कहा कि सीमा पर पर्याप्त संख्या में स्कैनर नहीं हैं। पाकिस्तान के अधिकारी माल को छोटे बैगों में रखने पर जोर दे रहे हैं जिससे कारोबारियों की लागत बढ़ रही है और प्रोसेसिंग में देरी हो रही है। एसीसीआई ने चेतावनी दी है कि अगर यही स्थिति रही तो इससे द्विपक्षीय व्यापार प्रभावित हो सकता है। 2010 के ट्रांजिट ट्रेड एग्रीमेंट के तहत पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के जरिए भारत को निर्यात की अनुमति दी थी लेकिन वह इस रास्ते भारत से आयात नहीं कर सकता है। पाकिस्तान इस रास्ते भारत और अफगानिस्तान के बीच किसी भी तरह के द्विपक्षीय व्यापार का विरोध करता आया है। उसका कहना है कि इससे अफगानिस्तान के साथ उसका द्विक्षीय व्यापार प्रभावित होगा।

भारत में चीनी खपत स्थिर, इसके इस्तेमाल को लेकर भ्रांतियों को दूर करने की जरूरतः सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि भारत में चीनी के उपयोग को लेकर 'भ्रांतियों और गलतफहमी' को दूर करने की आवश्यकता है, क्योंकि पिछले तीन साल से देश में चीनी की प्रति व्यक्ति खपत 19 किलोग्राम पर स्थिर बनी हुई है। खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने उद्योग संगठन भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के पोर्टल 'एचटीटीपीः//मीठा डाट आर्ग' को जारी करने के बाद कहा कि भारत दुनिया में चीनी के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है, लेकिन यहां प्रति व्यक्ति खपत 19 किलोग्राम पर स्थिर है, जो दुनिया की औसत प्रति व्यक्ति 23.50 किलो की खपत की तुलना में कम है।

देश की वार्षिक चीनी खपत 2.5- 2.6 करोड़ टन है, जबकि सितंबर में समाप्त 2019-20 सत्र में इसका उत्पादन 2.75 करोड़ टन तक पहुंच गया। पांडे ने कहा, ''बगैर किसी वैज्ञानिक आधार के चीनी और चीनी खपत के बारे में बहुत सारे मिथक चल रहे हैं। गलत जानकारी सच्चाई से कई गुना अधिक तेजी से फैलती है। इसलिए, वैज्ञानिक जानकारी सामने लाना बहुत महत्वपूर्ण है ताकि लोग सोचा समझा निर्णय ले सकें।'' पांडे ने आगे कहा कि विदेशों में भी भारतीय चीनी के बारे में कई 'गलतफहमियां' हैं। खाद्य सचिव ने कहा कि इस झूठ का सामना करने के लिए, इस्मा का ध्येय, अपने पोर्टल और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को चीनी के बारे में सही और वैज्ञानिक जानकारी देना होना चाहिये। उन्होंने इस्मा को बेहतर पहुंच कायम करने के लिए इस पोर्टल को क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं में शुरु करने का सुझाव दिया।

खाद्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि भारत में चीनी और चीनी उत्पादों के खिलाफ एक मुहिम सी चल पड़ी है कि ये हानिकारक हैं तथा मोटापे और मधुमेह का मुख्य कारण हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम प्रमुख चीनी उत्पादक देश हैं और हमारे पास अधिशेष चीनी है। लेकिन हमारी प्रति व्यक्ति खपत कम है। इसकी वजह यह है कि धनी लोग जो अधिक खपत कर सकते हैं वह चीनी नहीं खाना चाहते हैं। कुछ है जो चीनी के खिलाफ जा रहा है। इस पोर्टल के जरिये हम लोगों को चीनी सेवन के अच्छे प्रभावों के बारे में जानकारी देंगे।'' उदाहरण के लिए, इजरायल में, प्रति व्यक्ति चीनी की खपत 60 किलोग्राम है। उन्होंने कहा, ''अगर चीनी हानिकारक है, तो यह सभी विकसित और अन्य देशों में हानिकारक होनी चाहिए जहां चीनी की खपत दुनिया के औसत से कहीं अधिक है।'' इस्मा के अध्यक्ष विवेक एम पिट्टी ने कहा कि चीनी 'गलतफहमी का शिकार' हुई है और उन्होंने कहा कि एक दायरे में चीनी का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए बुरा नहीं है।

फेस्टिव सीजन में इन फूड आइटम्स से बनाएं अपने बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत

आईपीटी नेटवर्क

इंदौर। भारत में त्योहार सभी के दिलों के नजदीक हैं क्योंकिइस दिन पूरे परिवार के लोग एक साथ मिलकर आपस में खुशियां बांटते हैं। लेकिन यह बच्चों के लिए एक ऐसा मौका होता है, जब उन्हें सामान्य दिनों के रूटीन से अलग हटकर स्नैक्स और मिठाइयां खाने का मौका मिलता है, जो वास्तव में काफी नुकसान पहुंचाने वाली होती हैं। इससे आगे चलकर बच्चोंकी सेहत और इम्युनिटी को नुकसान पहुंच सकता है।

न्यू ट्रीशन स्पेश्यतलिस्ट और पाइलेट्स एक्सपर्ट माधुरी रुईया के अनुसार,फेस्टिव सीजन में बच्चों के खाने के तरीके पर विशेष निगाह रखना बेहद महत्वपूर्ण है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह अपने स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने की जगह सेहत और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले पोषक और स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों का ही सेवन कर रहे हैं। नीचे दिए गए 3 फूड आइटम्स की सिफारिश करते हुए माधुरी कहती हैं कि ये चीजें पैरेंट्स के पास फेस्टिव सीजन में मौजूद होने ही चाहिए। अभिभावकों को इन खाद्य पदार्थों को बच्चों के रोजाना के खाने में शामिल कर यह ध्याटन रखना चाहिए कि बच्चे त्योहार के दिनों में प्रसन्न, स्वस्थ और सुरक्षित रहें।

बादाम

हो सकता है कि अधिकतर बच्चों को स्वास्थ्यवर्धक खाना अच्छा न लगता हो। वह उसे खाने में आनाकानी करते हों। इन बच्चों के भोजन में पौष्टिक तत्वों को शामिल करना किसी भी पैरेंट्स के लिए काफी मुश्किल काम हो सकता है। इस हालत में पैरेंट्स के लिए यह काफी जरूरी हो जाता है कि वह नए-नए तरीके से बच्चों के खाने में उनकी सेहत को दुरुस्त रखने वालेफूडआइटम्स को शामिल करें, जिससे बच्चों को पौष्टिक खाना बेस्वाद न लगकर स्वादिष्ट लगे। इसी तरह का एक स्वादिष्ट और सेहतमंद फूड आइटम बादाम है, जो आपके बच्चे की इम्यु निटी बढ़ाने में योगदान दे सकता है। बादाम विटामिन-ई का बहुत अच्छा स्त्रोत होता है, जो बच्चों के फेफड़ों की इम्युनिटीबढ़ाने के लिए एंटीऑक्सिडेंट के रूप में काम करता है। विटामिन-ई वायरस और बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमण से बच्चों को सुरक्षा प्रदान करने वाले तत्व के रूप में जाना जाता है। बादाम कॉपरका भी काफी उच्च स्त्रोत हैं। बादाम में जिंक भी पाया जाता है। जिंक शरीर की इम्युनिटीबढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। आयरन इम्युकनिटीको बढ़ाने वाली कोशिकाओं को शरीर में फैलाने और विकास में प्रमुख भूमिका निभाता है। इसमें खासतौर से लिम्फोसाइट्सशामिल हैं, जो किसी भी तरह से संक्रमण से लड़ने में काफी कारगर होते हैं।

केले

केला एक स्वादिष्ट और बिना किसी परेशानी के आसानी से खाया जानेवाला फल है। कई बच्चे केले को बड़े शौक से खाते हैं, जिससे आपके लिए अपने बच्चों के भोजन में केले को शामिल करना आसान बन जाता है। केला कई पोषक तत्वों का अच्छा स्त्रोत होता है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, सेलिनियम और प्रोटीन पाया जाता है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं क विकास में सहायता करता है। यह शरीर में प्रोटीन मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है औरखाने को आसानी से पचाने में मदद देता है। इसलिए आप फेस्टिव सीजन में बच्चे की रोग प्रतिरोधकक्षमता को बढ़ाने के लिए उसके खाने में एक केले को शामिल करना सुनिश्चित करें। आप इन्हें बच्चों को बनाना शेक या जूस के रूप में दे सकते हैं । उसे सेहतमंद ब्रेड के रूप में पकाकर या सेंककर बच्चों को दे सकते हैं या अपने बेटे या बेटी को शाम के नाश्ते में इसे ऐसे ही खाने को दे सकते हैं।

हल्दी

हल्दी को शक्तिशाली भारतीय मसालों में से एक कहा जाता है। इसमें कैल्शियम, फाइबर, आयरन और जिंक जैसे पोषक तत्व शामिल होते हैं। यह पोषण प्रदान करने का आसान रूप है, जिसका कई तरह से प्रयोग किया जाता है। आप हल्दी को सब्जी में मिलाकर बच्चों के भोजन में शामिल कर सकते हैं। आप बच्चों को दूध में भी हल्दी मिलाकर उन्हें दे सकते हैं।हल्दी को सूजन कम करने और जलन में राहत पहुंचाने के गुण के लिए भी जाना जाता है, जो इम्यूनिटी को बढ़ा सकती है। इसके अलावा हल्दी में जीवाणुओं और विषाणुओं से लड़ने की भी ताकत होती है। यह शरीर की इम्युकनिटी को मजबूत बनाने में हमारी मदद करती है। इसलिए अपने बच्चों के भोजन में त्योहार से पहले और त्योहार के दौरान हल्दी को शामिल जरूर कीजिए।

नवरात्रि के दौरान घरेलू उपभोक्ता, इलेक्ट्रिक उत्पादों की बिक्री 30% तक बढ़ी

एजेंसी

नयी दिल्ली। नवरात्रि के दौरान घरेलू उपभोक्ता, टिकाऊ उपभोक्ता और इलेक्ट्रिक उत्पाद बनाने वाली कंपनियों की बिक्री में दहाई अंक की वृद्धि दर्ज की गयी। वहीं इनकी बिक्री में ई-वाणिज्य कंपनियों का योगदान भी बढ़ा है।

सोनी, एलजी और पैनासॉनिक जैसी प्रमुख कंपनियों की बिक्री में नवरात्रि के दौरान सालाना आधार पर 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। पैनासॉनिक के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (भारत एवं दक्षिण एशिया) मनीष शर्मा ने कहा, ''इस साल त्योहारी मौसम की शुरुआत अच्छी रही।

पिछले साल की तुलना में एयर कंडीशनर, फ्रिज, वाशिंग मशीन और माइक्रोवेव इत्यादि की बिक्री में हमने 30 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की। वहीं एलईडी की मांग, आपूर्ति से अधिक हो गयी।'' शर्मा ने कहा कि बदली परिस्थितियों में ग्राहक संपर्क रहित डिलिवरी को तवज्जो दे रहे हैं। ऐसे में ऑनलाइन माध्यम से खरीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पहले लोग हल्के साज-सज्जा से जुड़े इलेक्ट्रिक उत्पाद, ऑडियो उत्पाद इत्यादि की खरीद ऑनलाइन किया करते थे। लेकिन इस साल हमने बड़े इलेक्ट्रिक उत्पाद मसलन फ्रिज और वाशिंग मशीन की ऑनलाइन मांग में वृद्धि देखी है। इसी तरह की राय सोनी इंडिया के प्रबंध निदेशक सुनील नय्यर ने रखी।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने 55 इंच या उससे बड़े आकार की टीवी की बिक्री में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। वहीं ग्राहकों के खरीदारी करने के व्यवहार में भी बदलाव आया है। ज्यादा समय घर में बिताने के चलते ग्राहक अब बड़े आकार का टीवी लेना पसंद कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया की कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की बिक्री में भी इजाफा हुआ है।

कंपनी की त्येहारों की बिक्री दिवाली तक चलती है और उसकी सालाना बिक्री का करीब 25 प्रतिशत तक होती है।

यूएसआईबीसी ने भारत-अमेरिका के बीच बेका करार का स्वागत किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका- भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) ने भारत-अमेरिका के बीच मूलभूत विनिमय और सहयोग करार (बेका) पर हस्ताक्षर का स्वागत किया है। यूएसआईबीसी ने बुधवार को कहा कि इस करार के अनुकूल प्रावधानों से भारत के लिए अमेरिका के सैन्य मंच पर अधिग्रहण को प्रोत्साहन मिलेगा। भारत और अमेरिका ने बेका करार पर हस्ताक्षर किए हैं। यह करार दोनों देशों की 2प्लस2 मंत्रिस्तरीय वार्ता के तीसरे संस्करण के दौरान किया गया। इस समझौते से उच्चस्तर की सैन्य प्रौद्योगिकी, वर्गीकृत सैटेलाइट आंकड़ों और महत्वपूर्ण सूचनाओं को साझा किया जा सकेगा।

यूएसआईबीसी ने दोनों देशों की सरकारों को सालाना 2प्लस2 मंत्रिस्तरीय वार्ता के तीसरे संस्करण के लिए बधाई दी है। यूएसआईबीसी ने कहा कि इस तरह की उच्चस्तरीय चर्चा ने द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी को आगे बढ़ाने में मदद की है। यह अमेरिका-भारत के बीच सुरक्षा सहयोग के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। यूएसआईबीसी ने कहा, ''हम विशेषरूप से बुनियादी विनिमय एवं सहयोग करार पर दस्तखत का स्वागत करते हैं। भारत के 2016 में अमेरिका का प्रमुख रक्षा भागीदार बनने के बाद दोनों देशों के बीच हुए अनुकूल रक्षा करारों की श्रृंखला में यह अंतिम समझौता है।''

पियाजियो इंडिया ने वेस्पा और अप्रिलिया पर ऑफरों के साथ फेस्टिव सीज़न शुरू किया

- इंश्योरेंस के साथ 10 हजार तक के फेस्टिव सीज़न बेनेफिट्स की घोषणा

आईपीटी नेटवर्क

मुंबई। पियाजियो इंडिया ने अपने वेस्पा एवं अप्रिलिया उत्पादों पर स्पेशल सीज़न बेनेफिट्स व ऑफर्स की घोषणा की। जश्न व रोशनी के त्योहारों की शुरुआत के साथ फेस्टिव सीज़न के लिए ये नए ऑफर अभी से शुरू होकर 16 नवंबर, 2020 तक चलेंगे। इस दौरान ग्राहक देश में विभिन्न डीलरशिप्स से वेस्पा व अप्रिलिया पर 10,000 रु. तक के फायदे प्राप्त कर सकते हैं। इनमें वेस्पा का फेसलिफ्ट बीएस6 एवं अप्रिलिया बीएस6 श्रृंखला शामिल है। इस फेस्टिव ऑफर में 7000 रु. तक का इंश्योरेंस बेनेफिट, 4000 रु. मूल्य तक की कॉम्प्लिमेंटरी एक्सेसरीज़ तथा 2000 रु. का ईकॉमर्स बुकिंग बेनेफिट शामिल है। इसके अलावा दशहरा व दीवाली पर खरीद करने वाले ग्राहकों को पहले साल मुफ्त सर्विस लेबर एवं 5 सालों की वॉरंटी मिलेगी, जिसमें 2 साल के लिए फ्री रोड साईड असिस्टैंस शामिल है। इसका उद्देश्य ग्राहकों को प्रीमियम इटैलियन डिज़ाईन व इंजीनियरिंग का अनुभव प्रदान करना है।

वेस्पा वीएक्सएल एवं एसएक्सएल श्रृंखला मुख्य विशेषताएं, जैसे प्रौद्योगिकी की दृष्टि से उन्नत मोनोकोक फुल स्टील बॉडी, वाईब्रेंट हाई डेफिनिशन 3 कोट बॉडी कलर्स, एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम या ट्विन पॉट कैलिपर डिस्क ब्रेक के साथ कंबाईंड ब्रेकिंग सिस्टम प्रदान करती है। यह नई श्रृंखला बीएस6 मापदंडों का अनुपालन करती है तथा क्लीन एमिशन 3 वॉल्व टेक्नॉलॉजी फ्यूल इंजेक्शन इंजन शानदार परफॉर्मेंस प्रदान करता है। परफॉर्मेंस एवं एफिशियंसी को ध्यान में रखकर इस नई लाईफस्टाईल स्कूटर श्रृंखला में चौड़े टायरों के साथ पेटल डिज़ाईन अलॉय व्हील्स हैं, जो राईडर को आराम व सॉफिस्टिकेशन प्रदान करते हैं।

स्पेशल फेस्टिव ऑफर्स के बारे में श्री दिएगो ग्राफी, चेयरमैन एवं एमडी, पियाजियो इंडिया ने कहा, ''हमें इस दशहरे व दीवाली पर ग्राहकों को अपने अप्रिलिया एवं वेस्पा रेंज के स्कूटर्स पर अद्वितीय ऑफर प्रदान करने की खुशी है। हमारे ऑफर विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर खरीद व वाहन के स्वामित्व का सुगम अनुभव प्रदन करेंगे। हमें विश्वास है कि फेस्टिवल स्पेशल ऑफर एवं वेस्पा व अप्रिलिया के स्वामित्व का अनुभव हमारे ग्राहकों को अद्वितीय व यादगार अनुभव प्रदान करेगा।''

नौकरी करने वालों के लिए खुशखबरी! 5000 रुपये हो सकती है EPS पेंशन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्राइवेट सेक्टर के संगठित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को भी रिटायरमेंट के बाद मासिक पेंशन का लाभ मिल सके, इसके लिए इंप्लॉई पेंशन स्कीम, 1995 (EPS) की शुरुआत की गई। EPF स्कीम, 1952 के तहत एंप्लॉयर द्वारा कर्मचारी के EPF में किए जाने वाले 12 फीसदी कॉन्ट्रीब्यूशन में से 8.33 फीसदी EPS में जाता है। 58 साल की उम्र के बाद कर्मचारी EPS के पैसे से मंथली पेंशन का लाभ पा सकता है।

EPFO के दायरे में आने वाली संगठित क्षेत्र की कंपनियों को अपने कर्मचारी को EPF (Employee Provident Fund) का लाभ उपलब्ध कराना होता है। EPF में एंप्लॉयर व इंप्लॉई दोनों की ओर से योगदान कर्मचारी की बेसिक सैलरी+DA का 12-12 फीसदी है। नियोक्ता के 12 फीसदी योगदान में से 8.33 फीसदी इंप्लॉई पेंशन स्कीम EPS में जाता है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रोविडेंट फंड पर ज्यादा ब्याज देने और इम्प्लाइज पेंशन फंड के तहत 5000 रुपये प्रति महीना पेंशन करने की तैयारी हो रही है। इन दोनों मामलों पर विचार-विमर्श के लिए इस हफ्ते लेबर पैनल बड़ा चर्चा करेगा। 28 अक्टूबर को होगी अहम बैठक- बैठक में पैनल EPFO के तहत 10 खरब रुपए के कोष का प्रबंधन, प्रदर्शन और निवेश पर मंथन करेगा। पैनल का गठन पिछले महीने ही किया गया था। सूत्रों की मानें तो EPFO को संगठित और असंगठित सेक्टर में काम करने वालों के लिए ज्यादा फायदेमंद कैसे बनाया जाए, इस पर भी पैनल विचार करेगा। काफी समय से EPFO के कोष को फंड मैनेजर देख रहे हैं. साथ ही इसके निवेश से जुड़े फैसले भी वही करते हैं। ऐसे में यह पैनल इसका आकलन करेगा. पैनल के सदस्य कोरोना वायरस और लॉकडाउन के चलते EPFO कोष पर पड़ने वाले प्रभाव का भी आकलन करेगा।

5000 रुपए तक बढ़ सकती है पेंशन

सूत्रों के मुताबिक, PF कोष के लिए गठित पैनल की होने वाली बैठक में कर्मचारियों की पेंशन योजना के तहत पेंशन बढ़ाने और खाताधारक की मृत्यु के मामले में परिवारों को मिलने वाली राशि की उपलब्धता सुनिश्चत करने पर भी चर्चा होगी। इंए योजना के तहत न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर 5,000 रुपए मासिक भुगतान करने पर भी विचार होगा। कई ट्रेड यूनियन और श्रमिक संगठन भी पिछले कुछ समय से पेंशन की राशि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। केंद्र सरकार का मकसद असंगठित श्रमिकों को बुढ़ापे की सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। EPF कोष पर पैनल कई बैठकों में इस मुद्दे पर चर्चा करेगी और अपनी विस्तृत रिपोर्ट संसद को शीतकालीन सत्र में सौपेंगी। पैनल के सदस्यों ने श्रम मंत्रालय के प्रतिनिधियों को दूसरे देशों में संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए किए गए प्रावधानों का भी ब्योरा दिया है।

बढ़ सकता है आपके पीएफ पर ब्याज

कर्मचारी भविष्य निधि पर वर्ष 2019-20 के लिए 8.5 प्रतिशत ब्याज तय किया है। यह पिछले पांच वित्तीय वर्षों में सबसे कम है। ऐसे में इसे भी बढ़ाने की तैयारी है। अगर पैनल अपनी रिपोर्ट में ज्यादा रिटर्न दिलाने वाली जगह पर निवेश करता है तो इसका फायदा आपको भी मिलेगा। अगले वित्तीय वर्ष में ज्यादा ब्याज दिलाना भी पैनल की जिम्मेदारी होगी। वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए ब्याज दर दिसंबर अंत या जनवरी में तय होगी। उससे पहले पैनल की सिफारिशों के आधार पर इसे तय किया जा सकता है।

भारत डाक, अमेरिकी पोस्टल सर्विस के बीच सीमा शुल्क आंकड़ों के इलेक्ट्रॉनिक आदान-प्रदान को लेकर समझौता

एजेंसी

नयी दिल्ली। डाक विभाग और अमेरिका की पोस्टल सर्विस इकाई (यूनाइटेड स्टेट्स पोस्टल सर्विस) ने दोनों देशों के बीच डाक के जरिये भेजे जाने वाले सामान से जुड़े सीमा शुल्क आंकड़ों को साझा करने के एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। आधिकारिक बयान के अनुसार समझौते पर डाक विभाग के उप महानिदेशक (अंतरराष्ट्रीय संबंध और वैश्विक कारोबार) प्रणय शर्मा और अमेरिका की डाक सेवा के वैश्विक व्यापार मामलों के प्रबंध निदेशक राबर्ट एच रेन्स जूनियर ने दस्तखत किये। बयान के अनुसार, ''समझौते से अंतरराष्ट्रीय डाक से जुड़े सामानों के उनके गंतव्यों तक पहुंचने से पहले इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ों को भेजा और प्राप्त किया जा सकेगा। इससे डाक वस्तुओं की कस्टम मंजूरी पहले से दी जा सकेगी। यह वैश्विक स्तर पर उभरती डाक व्यवस्था के अनुरूप है। इससे भरोसा और सुरक्षा के संदर्भ में डाक सेवाओं का काम-काज बहतर हो सकेगा।'' भारत के लिये अमेरिका शीर्ष निर्यात गंतव्य है। उसकी इसमें 17 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह डाक चैनलों के जरिये वस्तुओं के आदान-प्रदान में भी प्रतिबिंबित होता है। बयान के अनुसार, ''पिछले साल 2019 में करीब 20 प्रतिशत एक्सप्रेस मेल सर्विस (ईएमएस) और 30 प्रतिशत पत्र तथा छोटे पैकेट भारती डाक से अमेरिका भेजे गये। वहीं अमेरिका से 60 प्रतिशत पार्सल भारती डाक ने प्राप्त किये।'' बयान में कहा गया है कि इस पहल का मुख्य मकसद छोटे एवं बड़े निर्यातकों के लिये डाक चैनलों के जरिये निर्यात व्यवस्था को सुगम बनाना है।

वित्त मंत्रालय ने अनुग्रह राहत भुगतान पर एफएक्यू जारी किया, 29 फरवरी को बकाया कर्ज पर होगी गणना

आईपीटी नेटवर्क

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि 'चक्रवृद्धि और साधारण ब्याज के बीच अंतर के लिए 'अनुग्रह राहत भुगतान योजना' के तहत 29 फरवरी को बकाया ऋण को संदर्भ राशि माना जाएगा। इस अंतर की गणना इसी बकाया राशि के आधार पर की जाएगी। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को इस बारे एफएक्यू (बार-बार पूछे जाने वाले सवाल) जारी किये। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सभी कर्जदाता संस्थानों से मंगलवार को कहा था कि वे दो करोड़ रुपये तक के कर्ज के लिये हाल ही में घोषित ब्याज पर ब्याज की माफी योजना को लागू करें। इस योजना के तहत दो करोड़ रुपये तक के कर्ज पर ब्याज के ऊपर लगने वाला ब्याज एक मार्च, 2020 से छह महीने के लिये माफ किया जायेगा। सरकार ने पिछले शुक्रवार को पात्र ऋण खातों के लिये चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज के बीच के अंतर के भुगतान को लेकर छह माह के लिए अनुग्रह या अनुदान की घोषणा की थी। सरकार ने सभी बैंकों को पांच नवंबर तक चक्रवृद्धि ब्याज व साधारण ब्याज के अंतर को कर्जदारों के खाते में जमा करने के लिये कहा था। वित्त मंत्रालय द्वारा योजना पर जारी एफएक्यू में कहा गया है कि इसके तहत एमएसएमई ऋण, शिक्षा ऋण, आवास ऋण, टिकाऊ उपभोक्ता ऋण, क्रेडिट कार्ड बकाया, वाहन ऋण, पेशेवरों को व्यक्तिगत ऋण और उपभोग ऋण पर राहत दी जाएगी। इसमें कहा गया है कि इस योजना का लाभ ऐसे ऋण खातों पर मिलेगा जिनमें बकाया दो करोड़ रुपये से अधिक का नहीं होगा। इसमें सभी ऋण संस्थानों से लिया गया ऋण शामिल होगा। इस तरह के ऋण खाते 29 फरवरी, 2020 की संदर्भ तिथि तक ऋणदाता संस्थानों के बही-खातों में मानक होने चाहिए। वित्त मंत्रालय ने कहा कि रिफंड के लिए एक मार्च से 21 अगस्त, 2020 यानी छह माह या 184 दिन की अवधि को गिना जाएगा। यह अनुग्रह राशि पात्र कर्जदारों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी। इसके लिए आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। योजना के तहत ऋणदाता संस्थानों को चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज का अंतर पात्र ऋणदाताओं के खातों में डालना होगा। रिजर्व बैंक द्वारा 27 मार्च, 2020 को घोषित ऋण की किस्त के भुगतान में छूट का आंशिक लाभ या पूर्ण लाभ सभी कर्जदारों को इस योजना का लाभ मिलेगा। योजना का लाभ ऐसे उपभोक्ताओं को भी मिलेगा, जिन्होंने कर्ज की किस्त के भुगतान पर छूट की योजना का लाभ नहीं लिया है।

एडनॉक को पेट्रोरसायन विस्तार योजना के लिये भारतीय भागीदार की तलाश

एजेंसी

नयी दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात की सबसे बड़ी ऊर्जा उत्पादक कंपनी अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडनॉक) प्रसंस्करण और विपणन क्षेत्र में अपनी महत्वकांक्षी 45 अरब डॉलर की पेट्रोरसायन विस्तार योजना में भागीदारी के लिये भारतीय कंपनियों की तलाश में है। एडनॉक ने एक बयान में कहा कि कंपनी के सीईओ सुलतान अहमद अल जाबेर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक ऊर्जा कंपनियों के सीईओ के साथ विचार-विमर्श के दौरान यूएई (संयुक्त अरब अमीरात)-भारत ऊर्जा रिश्तों को प्रागाढ़ बनाने को लेकर अवसर तलाशने का जिक्र किया। बैठक के दौरान अल जाबेर ने कहा कि भारत हमेशा यूएई का करीबी मित्र और महत्वपूर्ण व्यापार भागीदार रहा है और रहेगा।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध खासकर ऊर्जा क्षेत्र में हाल के वर्षों में मजबूत हुए हैं। अल जाबेर ने कहा कि भारतीय कंपनियां यूएई के तेलफील्ड में काम कर रही हैं। उन्होंने ओएनजीसी विदेश लि. और उसके भागीदारों के 2018 में बड़े अपतटीय तेल क्षेत्र में 60 करोड़ डॉलर में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण का जिक्र किया। यह पहली बार था कि कोई भारतीय कंपनी तेल सांसाधन से भरपूर अमीरात क्षेत्र में कदम रखी थी। अल जाबेर ने कहा, ''...दोनों देशों के बीच भागीदारी बढ़ाने को लेकर कई नये अवसर हैं। खासकर तेल शोधन और विपणन समेत पूरे पेट्रोलियम शोधन एवं विपणन क्षेत्र में ये अवसर मौजूद हैं। आपको पता है, हमने अबू धाबी में अपने रसायन, पेट्रोरसायन, डेरिवेटिव्ज और औद्योगिक आधार बढ़ाने को लेकर महत्वकांक्षी योजना शुरू की है और भारतीय कंपनियों के साथ हाइड्रोकार्बन के विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी की संभावना टटोलने को लेकर मेरा नजरिया बिल्कुल सकारात्मक है।'' एडनॉक ने 2018 में स्थानीय तौर पर शोधन और विपणन गतिविधियों को विकसित करने को लेकर 45 अरब डॉलर की निवेश योजना की घोषणा की थी। अल जाबेर ने कहा, ''एक आर्थिक शक्ति के रूप में भारत की वृद्धि शानदार है और वह दुनिया के बड़े ऊर्जा उपभोक्ताओं में से एक है... वास्तव में एडनॉक के लिये वह दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। हमे भरोसा है कि भारत में बड़े पैमाने पर विकास के साथ, हमारा संबंध और सुदृढ़ होगा।''

शेयर बाजार में भारी गिरावट

एजेंसी

मुंबई। यूरोप में फिर से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने और अमेरिकी चुनाव को लेकर जारी चिंताओं की वजह से दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आई है. इसी का असर आज घरेलू शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। BSE का 30 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 600 अंक गिरकर 39,922 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं, NSE के 50 शेयरों वाले प्रमुख इंडेक्स निफ्टी में 160 अंक की गिरावट आई है।

इस गिरावट में निवेशकों के 1.59 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। शेयर बाजार में आई तेज गिरावट- बैंकिंग शेयरों पर आज सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। बैंक निफ्टी में करीब 600 अंकों की गिरावट देखने को मिली। बैंक निफ्टी अंत में 537 अंक गिरकर 24,233 पर बंद हुआ। वहीं, मिडकैप 170 अंक गिरकर 17,048 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयरों में बिकवाली रही। निफ्टी के 50 में से 41 शेयरों में गिरावट आई। निफ्टी बैंक के 12 में से 11 शेयरों में गिरावट रही।

- क्यों आई शेयर बाजार में गिरावट : - एसकोर्ट सिक्योरिटी के रिसर्च हेड आसिफ इकबाल ने बताया कि अमेरिका में चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। ऐसे में वहां राजनैतिक अस्थिरता की गहराती चिंताओं ने बाजार के मूड को खराब कर दिया है। क्योंकि कोई न कोई सर्वे आए दिन आ रहे हैं, कुछ में वर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप पिछड़ते दिख रहे हैं। जिसके चलते बाजार में वोलैटिलिटी बढ़ रही है।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि राहत पैकेज को चुनाव के बाद जारी किया जाएगा। क्योंकि, रिपब्लिकन पार्टी और डेमोक्रेट्स के बीच इस मामले पर बातचीत सही दिशा में नहीं पहुंच पा रही है। इसलिए भी बाजार पर दबाव बढ़ा है।

- अब क्या करें निवेशकः आसिफ इकबाल का कहना है कि निवेशकों को घबराना नहीं चाहिए। बल्कि गिरावट पर अच्छे शेयरों पर दांव लगाना चाहिए। हालांकि, अगले एक महीने और शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहने की आशंका है। क्योंकि अमेरिका में 3 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होना है। ऐसे में निवेशकों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

पुखराज करता है परेशानियों को दूर

रत्न पहनने से भी कई तरह के कष्ट दूर होते हैं। जीवन में आने वाली कई तरह की परेशानियों को रत्न पहनने से दूर किया जा सकता है। ऐसे ही एक रत्न पुखराज है, जिसे पहनकर आप कई परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं।

पुखराज को एक शक्तिशाली रत्न माना गया है। इस रत्न को पहनने की सलाह तब दी जाती है जब व्यक्ति का बृहस्पति ग्रह कमजोर होता है। जन्मकुंडली में जब बृहस्पति ग्रह कमजोर होता है तो व्यक्ति को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं को दूर करने के लिए पुखराज रत्न पहना जा सकता है। पुखराज को दायीं हाथ की पहली अंगुली में पहना जाता है। इस रत्न का पूर्ण लाभ लेने के लिए बेहतर होगा कि किसी ज्योतिषी से जन्मकुंडली को दिखाएं क्योंकि किसी भी रत्न को धारण करने से पहले जन्मकुंडली में बैठे उस ग्रह की डिग्री और दशा की जानकारी जरूर कर लेनी चाहिए।

बहुत कुछ कहती है हाथ की हथेली

हाथ की हथेली भी बहुत कुछ बोलती है। हाथ की हथेलियों को देखकर भी व्यक्ति के बारे में बहुत कुछ पता लगाया जा सकता है। हस्तरेखा विज्ञान में हथेली की बनावट और उसके रंग के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है। हर व्यक्ति की हाथ की लकीरें अलग होती हैं। इसी तरह से व्यक्ति के हाथ बनावट और हथेली भी अलग होती है।

छोटी हथेली

जिन लोगों के हाथ की हथेली छोटी होती है, ऐसे व्यक्ति दिन में भी सपने देखने वाले होते हैं। ऐसे लोग परिश्रम करने की बजाए प्लानिंग में अपना समय खराब करते हैं, जिस कारण ऐसे व्यक्तिओं को सफलता देर से मिलती है। ऐसे लोग तारीफ सुनने के आदी होते हैं।

बड़ी हथेली

बड़ी हथेली जिनकी होती है वे अधिक समझदार होते हैं और अपना काम जिम्मेदारी से करते हैं। ऐसे लोग अधिक व्यवहारिक होते हैं। ऐसे लोग वक्त आने पर अपना काम निकालना भी खूब जानते हैं। ऐसे लोग अच्छे व्यापारी, सेल्समैन, अधिकारी और वकील होते हैं। इनमें नेता बनने के भी गुण होते हैं।

बहुत बड़ी हथेली

आम हथेलियों से जिन लोगों की हथेली अधिक बड़ी होती हैं ऐसे व्यक्ति अपने क्षेत्र के सबसे उच्च शिखर पर विराजमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति जो भी काम हाथ में लेते हैं उसे हर हाल में पूरा करते हैं। ऐसे लोग संकटों से घबराते नहीं है बल्कि उनका डटकर मुकाबला करते हैं। ऐसे लोगों को कभी हार का मुंह नहीं देखना पड़ता है। ऐसे लोग बहुत मेहनती होते हैं।

सामान्य हथेली

जिन लोगों की हथेली सामान्य होती है। ऐसे लोग बहुत होशियार होते हैं। जीवन में ऐसे व्यक्ति निराश नहीं होते हैं। हमेशा सक्रिय रहते हैं। कुछ न कुछ करते रहने की लालसा इन्हें सफल बनाती है। ऐसे व्यक्ति कभी खाली नहीं बैठते हैं। ये बहुत लगनशील होते हैं।

वास्तुशास्त्र से बच्चों को ऐसे मिलेगी सफलता

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में बच्चों का कमरा पूर्व, उत्तर, पश्चिम या वायव्य दिशा में होना चाहिए। दक्षिण, नैऋत्य या आग्नेय दिशा में बच्चों का कमरा नहीं होना चाहिए। बच्चों के कमरे की सजावट अच्छी होनी चाहिए और कमरे में रंग उनके शुभ रंग के अनुसार ही होना चाहिए।

पर्दों का रंग

पर्दों का रंग गहरा होना चाहिए।

बच्चों का पलंग

बच्चों का पलंग नीचा होना चाहिए। बच्चों को इस दिशा में सुलाएं।

बच्चों का सिरहाना पूर्व दिशा की ओर हो पैर पश्चिम की ओर होने चाहिए। ऐसे सोने से उन्हें नींद अच्छी आएगी।

टेबल एवं कुर्सी

बिस्तर के उत्तर दिशा की ओर टेबल एवं कुर्सी होनी चाहिए।

पढ़ाई कैसे करें

पढ़ते समय बच्चे का मुंह पूर्व दिशा की ओर तथा पीठ पश्चिम दिशा की ओर होनी चाहिए।

कमरे में रोशनी

बच्चों के कमरों में पूरी रोशनी आनी चाहिए। इससे कमरे में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

तस्वीरों का विशेष ध्यान रखें

बच्चों के कमरों में तस्वीरों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कमरे में लगी तस्वीरों का बच्चों के जीवन में गहरा प्रभाव पड़ता है। बच्चों के कमरे में हिंसात्मक तस्वीरें न लगाएं।

कमरे में लगाएं भगवान की तस्वीरें

बच्चों के कमरे में भगवान की तस्वीरें लगानी चाहिए। ऐसा करने से बच्चों के जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है।

कमरे में शांति का माहौल

बच्चों के कमरे में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि घर में होने वाला शोरगुल उन्हें बिलकुल बाधित न करें।

कैसा फल देता है दक्षिण मुखी घर?

दक्षिण दिशा को घर के लिए अशुभ माना जाता है, परंतु वास्तुशास्त्र के अनुसार दक्षिण दिशा सभी के लिए अशुभ नहीं होती है। ज्योतिष के अनुसार कुछ राशि के जातकों को इस दिशा से लाभ भी मिल सकता है। आइए जानते हैं सभी 12 राशियों के लिए दक्षिण मुखी घर का प्रभाव कैसा रहता है।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए दक्षिण मुखी घर काफी शुभ रहता है। दक्षिण मुखी घर से मेष राशि के जातकों के व्यक्तित्व में निखार आता है।

वृष राशि

वृष राशि के जातकों के लिए दक्षिण मुखी घर में रहना अशुभ होता है। इस घर में रहने से आय से अधिक खर्चे होते हैं।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों को इस दिशा में अशुभ फल प्राप्त होते हैं। इस दिशा में रहने से बीमारियां बढ़ने का खतरा रहता है।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों के लिए यह दिशा काफी शुभ रहती है। इस दिशा में घर होने से मान-सम्मान में वृद्धि होती है और नौकरी में प्रमोशन भी मिल सकता है।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए दक्षिण मुखी घर काफी शुभ रहता है। ऐसे लोगों को एक से अधिक भवन प्राप्त होते हैं।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों को ऐसे घर में रहने से बचना चाहिए। दक्षिण मुखी घर कन्या राशि के लिए अशुभ होते हैं। इन लोगों के लिए ये घर परेशानियां बढ़ा सकता है।

तुला राशि

तुला राशि के जातकों के लिए दक्षिण मुखी घर सामान्य रहता है। ऐसा घर इनके लिए मध्यम परिणाम देने वाला होता है।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के लिए दक्षिण मुखी घर शुभ परिणाम देने वाला होता है। ऐसे घर में रहने से मान-सम्मान और आत्मबल में वृद्धि होती है।

धनु राशि

धनु राशि के जातकों के लिए संतान की दृष्टि से दक्षिण मुखी घर काफी अच्छा रहता है। इस घर में रहने से संतान उच्च शिक्षा प्राप्त करता है।

मकर राशि

मकर राशि के जातकों के लिए दक्षिण मुखी घर मिला-जुला परिणाम देने वाला होता है। धन संबंधी मामलों में तो लाभ होता है परंतु व्यक्ति का विकास नहीं हो पाता है।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के जातकों के लिए दक्षिण दिशा में रहने से जीवन के संघर्ष बढ़ने लगते हैं।

मीन राशि

मीन राशि के जातकों के लिए दक्षिण मुखी घर शुभ रहता है। मीन राशि के जातकों के लिए दक्षिण मुखी घर भाग्य लेकर आता है।

Jyotish Shastra

Harley Davidson खरीदारों के लिए खुशखबरी

भारत में अब ये कंपनी बेचेगी इसकी प्रीमियम बाइक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। यूएस की जानी-मानी मोटरसाइकल निर्माता कंपनी Harley-Davidson ने भारतीय बाजार में टू-व्हीलर निर्माता कंपनी Hero MotoCorp के साथ मिलकर आज आगे बढ़ने का ऐलान किया है। भारत में ये दोनों कंपनियां एक साथ अब नए सफर की शुरुआत करेंगी। हार्ले डेविडसन की बाइक्स के डिस्ट्रीब्यूशन से लेकर अन्य कार्यों को अब हीरो के जरिए मैनेज किया जाएगा।

डिस्ट्रिब्यूशन कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार, Hero MotoCorp भारत में Harley-Davidson की मोटरसाइकिलों की बिक्री एवं सर्विस करेगा और ब्रांड-एक्सक्लूसिव Harley-Davidson डीलर्स के नेटवर्क एवं हीरो के मौजूदा डीलरशिप नेटवर्क के जरिए हार्ले डेविडसन के पार्ट्स और एसेसरीज और जनरल मर्चेंडाइज राइडिंग गियर व एपरेल की बिक्री करेगा। लाइसेंसिंग कॉन्ट्रैक्ट के हिस्से के तौर पर Hero MotoCorp, हार्ले-डेविडसन ब्रांड नेम के तहत प्रीमियम मोटरसाइकिलों की कैटेगरी की डेवलपमेंट कर उसकी सेल करेगा।

इस निर्णय से Harley-Davidson के बिजनेस ओवरहॉल, द रिवायर और भारत में इसके बिजनेस मॉडल को बदलने के लिए सितंबर में की गई कंपनी के ऐलान के अनुरूप हैं। इस सिस्टम से देश में कंपनियों और राइडर्स दोनों के लिए समान रूप से लाभदायक होगी। ये कॉन्ट्रैक्ट दमदार बाइक निर्माता कंपनी हार्ले-डेविडसन ब्रांड को Hero MotoCorp के डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क और कस्टमर सर्विस को साथ लेकर आएगा।

भारतीय बाजार में हार्ले डेविडसन की शुरुआती बाइक Harley-Davidson Street 750 है। पावर और स्पेशिफिकेशन की बात की जाए तो Harley-Davidson Street 750 में 749cc का लिक्विड कूल्ड, रेवोल्यूशन X वी-ट्विन इंजन दिया गया है जो कि 4000 Rpm पर 59 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। डाइमेंशन की बात की जाए तो Harley-Davidson Street 750 की लंबाई 2,215mm, सीट की ऊंचाई 720mm, वजन 223 किलो और फ्यूल टैंक कैपेसिटी 13.1 लीटर है। कलर्स ऑप्शन की बात की जाए तो ये बाइक विविड ब्लैक, ब्लैक डेनिम, परफॉर्मेंस ऑरेंज, विविड ब्लैक डीलक्स और बाराकूला सिल्वर डीलक्स में उपलब्ध है। कीमत की बात की जाए तो हार्ले डेविडसन स्ट्रीट 750 की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 4,69,000 रुपये है।

गुडइयर ने भारत में ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट खंड में प्रवेश किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिकी टायर कंपनी गुडइयर ने बुधवार को कहा कि उसने भारत के ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट खंड में प्रवेश किया है। कंपनी ने इंजन ऑयल की नई श्रृंखला के लिए सत्या ग्रुप तहत आने वाले एश्योरेंस इंटरनेशनल के साथ समझौता किया है। कंपनी ने बताया कि उसके लुब्रिकेंट उत्पाद सभी तरह के वाहनों के लिए होंगे, जिसमें वाणिज्यिक वाहन, यात्री वाहन और दोपहिया वाहन शामिल हैं। इसके अलावा गुडइयर द्वारा पेश किए जा रहे अन्य उत्पादों में ग्रीस, ब्रेक फ्लूअड, ट्रांसमिशन ऑयल, ट्रैक्टर तेल, गियर ऑयल और हाइड्रोलिक ऑयल शामिल हैं। इन उत्पादों के लिए गुडइयर अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) सहायता प्रदान करेगा, जबकि गुड़गांव स्थित एश्योरेंस इंटरनेशनल के जिम्मे विनिर्माण, विपणन और वितरण का काम होगा।

एश्योरेंस इंटरनेशनल बिक्री के बाद उपभोक्ताओं को जरूरी सहायता भी मुहैया कराएगी। एश्योरेंस इंटरनेशनल - गुडइयर लुब्रिकेंट के कंट्री हेड (बिक्री, विपणन और परिचालन) संजय शर्मा ने बताया कि भारत ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट खपत के मामले में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है, जिसके चलते कंपनी ने इस खंड में प्रवेश का फैसला किया।

ऊषा के त्योहारों के अवसर पंखों के 10 नए वैरिएंट्स पेश

इस नई श्रृंखला में सीलिंग, वॉल, एक्जॉस्ट और पेडेस्टल पंखें शामिल

एजेंसी

इंदौर। भारत के भरोसेमंद कंज्यूमर ड्यूरेबल्स ब्राण्ड ऊषा इंटरनेशनल ने आज पंखों के 10 नये वैरिएंट्स पेश किये हैं, जिनमें सीलिंग, वॉल, एक्जॉस्ट और पेडेस्टल पंखे शामिल हैं। इस तरह, कंपनी ने पहले से मजबूत अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। विभिन्न श्रेणियों के इन खोजपरक और अपनी श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ उत्पादों का लक्ष्य ग्राहकों की विविधतापूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। ऊषा के नये सीलिंग पंखों में एयरोस्ट्रॉन्ग एंगल, एयरोस्ट्रॉन्ग कर्व, स्विफ्ट अल्फा, स्विफ्ट अल्फा क्रोम और ब्लूम बेलफ्लॉवर शामिल हैं। अपनी पेडेस्टल और वॉल पंखों की श्रृंखला का विस्तार करते हुए कंपनी ने कोलोसस और पेंटाकूल सीरीज पेश की है और उच्चर गति वाले प्लास्टिक एक्जॉस्ट पंखों की श्रृंखला स्ट्राइकर को भी उतारा है। इन नये उत्पादों के लॉन्चर के बारे में चर्चा करते हुए श्री रोहित माथुर, प्रेसिडेन्ट- इलेक्ट्रिक फैन्स एंड पंप्स, ऊषा इंटरनेशनल ने कहा, ''उपभोक्ताओं की परख के आधार पर विकसित किये गये यह नये पंखे दर्शाते हैं कि ऊषा में हम हर परिवार की अलग-अलग जरूरत को समझते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिये कि हम सभी उपभोक्ताओं की सेवा करें, हमने 10 नये उत्पादों के साथ अपने पहले से मजबूत पोर्टफोलियो को और मजबूत किया है। इन उत्पादों में नई तकनीक और उच्च स्तर के प्रदर्शन की क्षमता है। हमने उपभोक्तौओं की पसंद के अनुसार आगे बढ़ने का लक्ष्यो तय किया है ताकि उनके साथ अपने विश्सनीय संबंधों को और मजबूत किया जा सके।' इस ब्राण्ड द्वारा लॉन्च किये गये इन नये पंखों को भारत के आधुनिक उपभोक्ता को ध्यान में रखकर सावधानी से तैयार किया गया है। यह जिस कमरे में मौजूद होंगे, उसके आकर्षण को बढ़ाएंगे। प्रतिस्पर्धी मूल्य पर कई रंगों में उपलब्ध यह सभी उत्पाद दो साल की वारंटी के साथ आते हैं, इसलिये इन्हें खरीदना उचित होगा।

के2 (KAY2) टीएमटी ने अपने ब्रांड की पहचान में किया इज़ाफा

प्रस्तुत किया प्रीमियम टीएमटी ब्रांड 'के2 ज़ेनॉक्स'

आईपीटी नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत की सबसे युवा और तेजी से बढ़ती टीएमटी बार विनिर्माता के2 (KAY2) टीएमटी ने आज घोषणा की है कि कंपनी ने अपनी ब्रांड पहचान में इज़ाफा किया है और इसके साथ ही नया प्रीमियम टीएमटी ब्रांड 'के2 ज़ेनॉक्स' लांच किया। कंपनी का इरादा टीएमटी बार के विनिर्माण में नई तकनीक अपना कर टीएमटी सैगमेंट में अपनी पहुंच को मजबूती देना है। के2 ज़ेनॉक्स, के2 टीएमटी बार का प्रीमियम ब्रांड है जो ऐसा अनूठा रिब डिजाइन पेश करता है जो हेक्सागोनल पैटर्न में कॉन्क्रीट के साथ मजबूती से जुड़ जाता है और किसी भी ढांचे के लिए एक पुख्ता बुनियाद व क्वालिटी सुनिश्चित करता है।

आज के आधुनिक निर्माण की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रीमियम टीएमटी बार भूकंप के जोखिम वाले इलाकों में निर्माण हेतु बहुत कारगर साबित होता है। 720 डिग्री हेक्सागन के इसके आंतरिक कोण उत्कृष्ट जुड़ाव देते हैं जिससे कंस्ट्रक्शन में दमदार क्वालिटी मिलती है जो उच्च दबाव को सहने में सक्षम हो पाती है।

इंटेलिजेंट स्टील कहलाने वाले के2 ज़ेनॉक्स की मैश ग्रिप, 200 प्रतिशत ज्यादा बॉन्ड स्ट्रैंथ और श्रेष्ठ भौतिक व रासायनिक गुण

इसे सभी आधुनिक निर्माणों के लिए आदर्श सिद्ध करते हैं। आला दर्जे के विशुद्ध Fe 500 व 500D का इस्तेमाल करके बनाया गया यह उत्पाद कंस्ट्रक्शन में 20 प्रतिशत तक स्टील बचाता है और बीआईएस मानक के मुताबिक निरंतर क्वालिटी देता है।

इस अवसर पर के2 ज़ेनॉक्स के निदेशक श्री सुनील अग्रवाल ने कहा, ''अपनी ब्रांड पहचान को मजबूत व अपग्रेड करते हुए हम बाजार में सर्वोत्तम क्वालिटी का उत्पाद उपलब्ध कराने का अपना वादा निभा रहे हैं। हमारी कंपनी सदैव इनोवेशन के अग्रिम मोर्चे पर रही है और हमने सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता उत्पाद मुहैया कराए हैं जो उद्योग की अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं। के2 ज़ेनॉक्स एक प्रीमियम ब्रांड है तथा हम देश में अपनी उपस्थिति और अधिक बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।'' पूरे भारत में टीएमटी बार के विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए कंपनी का एक खास फ्रैंचाइज़ी मॉडल है। इस समय कंपनी ने 30 विनिर्माण संयंत्रों से गठबंधन किया हुआ है और देश भर में इसका 3500 डीलरों और वितरकों का नेटवर्क है। वित्त वर्ष 2020 में के2 टीएमटी ब्रांड सेल्स टर्नओवर 2500 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।

उम्मीद है कि वर्तमान वित्त वर्ष की समाप्ति पर यह आंकड़ा 3500 करोड़ रुपए हो जाएगा। ''कोविड-19 के बाद धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था की बहाली और उद्योगों की अनलॉकिंग के साथ कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में फिर से मांग बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। सरकार ने भी आगामी दिनों में कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर पर काफी बल देने की घोषणा की है और ये सब निश्चित रूप से हम पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। तो कुल मिलाकर ये सारे संकेत हमें आगामी महीनों के प्रति काफी उत्साहित कर रहे हैं और हम भी अपने उच्च क्वालिटी उत्पादों के साथ मांग पूरी करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। हम अगले दो वर्षों में अपनी विनिर्माण क्षमता को 10 लाख टीएमटी बार से 20 लाख टीएमटी बार तक पहुंचाने का भी लक्ष्य लिए हुए हैं,'' श्री अग्रवाल ने कहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बड़वानी के फार्मकार्ट को सराहा

मन की बात में प्रधानमंत्री ने फार्मकार्ट के कृषि नवाचार और लॉकडाउन में किया गए प्रयासों की प्रशंसा की

आईपीटी नेटवर्क

बड़वानी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात की 70 वीं कड़ी में बड़वानी से शुरू की गई कृषि नवाचार समाधान कंपनी फार्मकार्ट के कार्यों और उसके द्वारा लॉकडाउन में किसानों के हित में किये गए प्रयासों की सराहना की है । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'मध्यप्रदेश के बड़वानी में अतुल पाटीदार अपने क्षेत्र के 4,000 किसानों को डिजिटल रूप से जोड़ चुके हैं। यह किसान अतुल पाटीदार के ई -प्लेटफॉर्म फार्मकार्ट के जरिए खेती के सामान जैसे खाद, बीज, पेस्टिसाइड आदि की होम डिलीवरी पा रहे हैं यानी किसानों को घर तक उनकी ज़रूरत की चीज़ें मिल रही हैं। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधुनिक कृषि उपकरण भी किराए पर भी मिल जाते हैं। लॉकडाउन के समय भी इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए किसानों को हजारों पैकेट डिलीवर किए गए जिसमे कपास और सब्जियों के बीज भी थे।अतुल जी और उनकी टीम किसानों को तकनीकी रूप से जागरूक कर रही है, किसानों को ऑनलाइन पेमेंट और खरीदारी भी सिखा रही है।'

फार्मकार्ट को मिली इस प्रशंसा पर संस्थापक और सीईओ अतुल पाटीदार ने कहा, 'यह बात हमारे लिए बहुत ही मायने रखती है कि देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने फार्मकार्ट के तकनीकी नवाचार समाधानों और प्रयासों को सराहा है। फार्मकार्ट और उसकी टीम के उत्साहवर्धन के लिए मैं प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभारी हूँ। 'मन की बात' में फार्मकार्ट के उल्लेख ने हमारी टीम में एक नई शक्ति का संचार किया है, जो आने वाले समय में हमें और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा।'

युवा उद्यमी अतुल पाटीदार बड़वानी के एक किसान परिवार से हैं, जिन्होंने कुछ वर्षों पहले कनाडा में रह रहे अपने कुछ साथियों के साथ किसानों का जीवन सुलभ और सरल बनाने के लिए फार्मकार्ट की शुरुआत की थी। अतुल विश्व के सर्वोत्तम विश्वविद्यालयों से 4 स्नातकोत्तर उपाधियों प्राप्त कर चुके हैं और कई जानी मानी कंपनियों जैसे सैमसंग और फोर्ड के लिए भी काम कर चुके हैं।

फिलहाल, फार्मकार्ट के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्रामीण किसानों को सात सौ से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्पाद और खेती संबंधी हर ज़रूरी जानकारी उपलब्ध है। हाल ही में, फार्मकार्ट ने कृषि उत्पाद और सेवाओं के लिए ई-कॉमर्स एप्लीकेशन भी लांच की है। यह कृषि की दृष्टि से देश का पहला व्यापक प्लेटफॉर्म है। फार्मकार्ट के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर की विश्वसनीय कंपनियों के बीज, फर्टिलाइजर, कीटनाशक और सिंचाई सम्बन्धी संशाधन उपलब्ध हैं। फार्मकार्ट का मुख्य कार्यालय बड़वानी मध्य प्रदेश में स्थित है और कंपनी की स्ट्रेटेजी टीम टोरंटो कनाडा में हैं।

फिलहाल, फार्मकार्ट अपने ई- कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए मध्यप्रदेश में करीब 1,200 स्थानों में 150,000 किसान फार्मकार्ट द्वारा वितरित उत्पादों और सेवाओं का लाभ ले रहे हैं।

फार्मकार्ट के चेयरमैन अनूप मंडलोई के अनुसार, 'हम ऐसे शिक्षित युवाओं की तलाश कर रही है जो ग्रामीण भारत में रोज़गार को एक अवसर की तरह देखकर उसका लाभ उठाना चाहते हों। इसके लिए कंपनी आईआईएम और सिम्बायोसिस जैसे संस्थानों की प्लेसमेंट प्रक्रिया में भी हिस्सा ले रही है।'

कंपनी की विस्तार योजना में, कृषि सलाह या कंसल्टेंसी सेवाओं का भी विस्तार भी शामिल है। इसके लिए फार्मकार्ट एग्री-निदान एप भी लांच करेगी। इसके माध्यम से फार्मकार्ट कृषि-परामर्श का प्रजातंत्रीकरण करना चाहती है। ऐसा होने पर, एग्री-निदान एप से किसान दुनिया भर के जाने-माने कृषि विशेषज्ञों की सलाह ले पाएंगे।

डीएसपी एमएफ ने भविष्य के व्यवसायों की कल्पना करने के लिए 'विजन 20/20' कांसेप्ट

आईपीटी नेटवर्क

इंदौर। महामारी के बीच में भविष्य को देखते हुए बाजार के परिणामों की भविष्यवाणी करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। वर्तमान परिदृश्य में, व्यवसायों के भविष्य के बारे में बात करना सबसे ज्यादा कठिन है। डीएसपी एमएफ व्यापार के भविष्य की कल्पना करने के लिए 'विजन 20/20' असेसमेंट कांसेप्ट लेकर आया है। चिकित्सा के क्षेत्र में विज़न 20/20 बहुत स्पष्टता बताता है। इसमें जो पहला 20 वह है, वह बताता है कि जिसका परिक्षण किया जा रहा है, उस व्यक्ति को 20 फ़ीट की दूरी से क्या दिखाई देता है। वही दूसरा 20 वह है, जो सामान्य दृष्टि वाला व्यक्ति 20 फीट की दूरी से देख सकता है।

निवेश करने के लिए इस 'विज़न 20/20' कांसेप्ट को फिर से प्रस्तुत करते हुए, डीएसपी विश्लेषकों और फंड मैनेजर के रूप में अपनी निवेश टीम को पहली संख्या (20 में से) और हमारी पोर्टफोलियो कंपनियों का आकलन करते समय दृश्यता के स्तर को असाइन करता है। दूसरा 20 आदर्शवादी और अव्यवहारिक 'परफेक्ट' बाजार भागीदार का प्रतिनिधित्व करता है।

डीएसपी एमएफ ने निवेशी या संभावित निवेशी व्यवसायों के भविष्य का मूल्यांकन करते समय 3 लेंस का उपयोग किया (और विस्तार से, इसके फंड जो उन व्यवसायों को रखते हैं) इसे 15/20, 10/20 और 5/20 विज़न में विभाजित किया। इसमें विज़न 20/20 लेंस नहीं है क्योंकि यह मानता है कि हम अनिश्चित समय में रह रहे हैं और भविष्य के रुझानों के बारे में 100ज्ञ स्पष्टता प्राप्त करने में असमर्थ हैं।

एफएचआरएआई ने पीएम को पत्र लिखा

होटल, रेस्तरां क्षेत्र के लिए विशेष पैकेज देने का आग्रह किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। होटल और रेस्तरां क्षेत्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से क्षेत्र पर केंद्रित विशेष राहत पैकेज देने की अपील की है। फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशंस ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि कोविड-19 महामारी की वजह से आतिथ्य क्षेत्र को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। एफएचआरएआई ने कहा, ''लॉकडाउन के पहले सात माह में इस क्षेत्र का कारोबार शून्य रहा है। क्षेत्र में नकदी का प्रवाह नकारात्मक रहा है। क्षेत्र की कंपनियां दिवालिया होने के कगार पर हैं। लाखों नौकरियां चली गई हैं। महामारी ने क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है।'' संगठन ने कहा, ''इस क्षेत्र की हालत सुधरने में काफी लंबा समय लगेगा। यह भी इस बात पर निर्भर करेगा कि देश में घरेलू यात्रा पूरी तरह कब तक शुरू होती है। साथ ही स्वास्थ्य, साफ-सफाई, महामारी से बचाव के टीके आदि पर भी काफी हद तक क्षेत्र का भविष्य निर्भर करेगा।'' एफएचआरएआई के उपाध्यक्ष जी सिंह कोहली ने कहा, ''आज आतिथ्य क्षेत्र संकट में है। क्षेत्र की विदेशी मुद्रा आय पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। घरेलू आय भी कोविड-19 से पूर्व के स्तर की तुलना में सिर्फ 10 प्रतिशत रह गई है।''

आत्मनिर्भर भारत की राह पर यूपी

इस दिवाली चीन के लिए चुनौती साबित होंगे 'लोकल प्रोडक्ट'

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh) के लोकल उत्पादों की मांग बजार में बढ़ने लगी है। 'लोकल फॉर वोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' की राह पर बढ़ते यूपी के कदम इस दिवाली चीनी उत्पादों के लिए चुनौती साबित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक जनपद एक उत्पाद' से यूपी के व्यपारियों के लिए एक ओर आर्थिक उन्नति की नई राहें खोल दी हैं, वहीं प्रदेश के उत्पादों का लोहा देश ही नहीं विदेशों में भी बोल रहा है। गोरखपुर मंडल के अन्तर्गत देवरिया जनपद में तकरीबन 1500 लोगों के व्यापार को नई गति मिली है। इन उत्पादों को ओडीओपी के तहत राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का मौका मिल रहा है।

देवरिया जनपद में ओडीओपी के तहत काम कर रहे हजारों लोगों में से सफलता की इबारत गढ़ने वाली पूजा शाही और विवेक सिंह हैं। साल 2008 में महज अपनी मां और चाची के साथ हैंडिक्राफ्ट का छोटा सा काम शुरू करने वाली पूजा शाही आज पूजा शाही इंटरप्राइजेज से 400 महिलाओं को रोजगार दे रही हैं। ओडीओपी से जुड़ने के बाद आज पांच हजार महिलाएं उनकी टीम का हिस्सा हैं। वर्चुअल फेयर से लेकर ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए उनके उत्पाद यूपी समेत देश और विदेश में भी धूम मचा रहे हैं।

150 यूनिट में 1500 कारीगर

गोरखपुर मंडल के देवरिया की 150 यूनिट में 1500 कारीगर जुड़े हैं। पिछले साल एक करोड़ का टर्नओवर इस साल बढ़कर डेढ़ करोड़ हो गया है। देवरिया के उत्पाद बिहार, पश्चिम बंगाल, लखनऊ, वाराणसी, दिल्ली समेत सिंगापुर और अमेरिका में निर्यात होते हैं। ओडीओपी की शुरुआत से अब तक यहां के उत्पादों से 2.5 करोड़ की आमदनी हुई है।

उत्पादन में 60 से 80 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

पूजा ने बताया कि, हैंडिक्राफ्ट के काम को पहचान तब मिली जब 24 जनवरी 2018 को प्रदेश सरकार ने इसे ओडीओपी में शामिल करा दिया। मुझे पांच लाख रुपए तक का लोन राज्य सरकार द्वारा ओडीओपी के तहत मिला है। इस योजना के शुरू होने से पहले जहां मैं केवल 50 पीस तैयार कर पाती थी वहीं अब प्रतिदिन 500 पीस तैयार करती हूं। उन्होंने बताया कि सजावटी सामान, इम्यूनिटी गुड़, अचार, हैंडिक्राफ्ट, दीए, मोमबत्ती जैसे उत्पादों की मांग अमेरिका, दुबई समेत देश के अलग-अलग राज्यों में बढ़ गई है। ओडीओपी से मांग और उत्पादन में 60 से 80 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है, वहीं अब मेरे साथ 500 महिलाएं अपने स्वरोजगार के सपने को पूरा कर पाई हैं।

महिलाओं को दी जा रही ट्रेनिंग

देवरिया के विवेक सिंह ने बताया कि वो वीएस एनर्जी इंटरप्राइजेज से डेकोरेटिव हैंडिक्राफ्ट और बैंबू लाइट का व्यापार करते हैं। उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा तैयार की गई लाइट, झूमर और झालर की मांग नाइजीरिया, अफगानिस्तान, दुबई समेत विदेश में भी बढ़ रही है। इसके साथ ही देवरिया और दूसरे राज्यों में ग्रो सेंटर बनाकर महिलाओं को एक ही छत के नीचे ट्रेनिंग दी जा रही है। एमएसएमई, खादी ग्रामोद्योग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि अपने प्रदेश के उत्पादों को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा मिले. इस दिशा में हम लोग आगे बढ़ रहे हैं. ओडीओपी के माध्यम से लगभग हर जिले में रोजगार बढ़ रहा है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।